B.Ed. Ist year

Subject :- Teaching of Social Science

Topic :- पाठ्यक्रम संरचना के आधार

पाठ्यक्रम निर्माण को निश्चित स्वरूप देने हेतु सामान्यतः निम्नलिखित आधार माने जाते हैं।

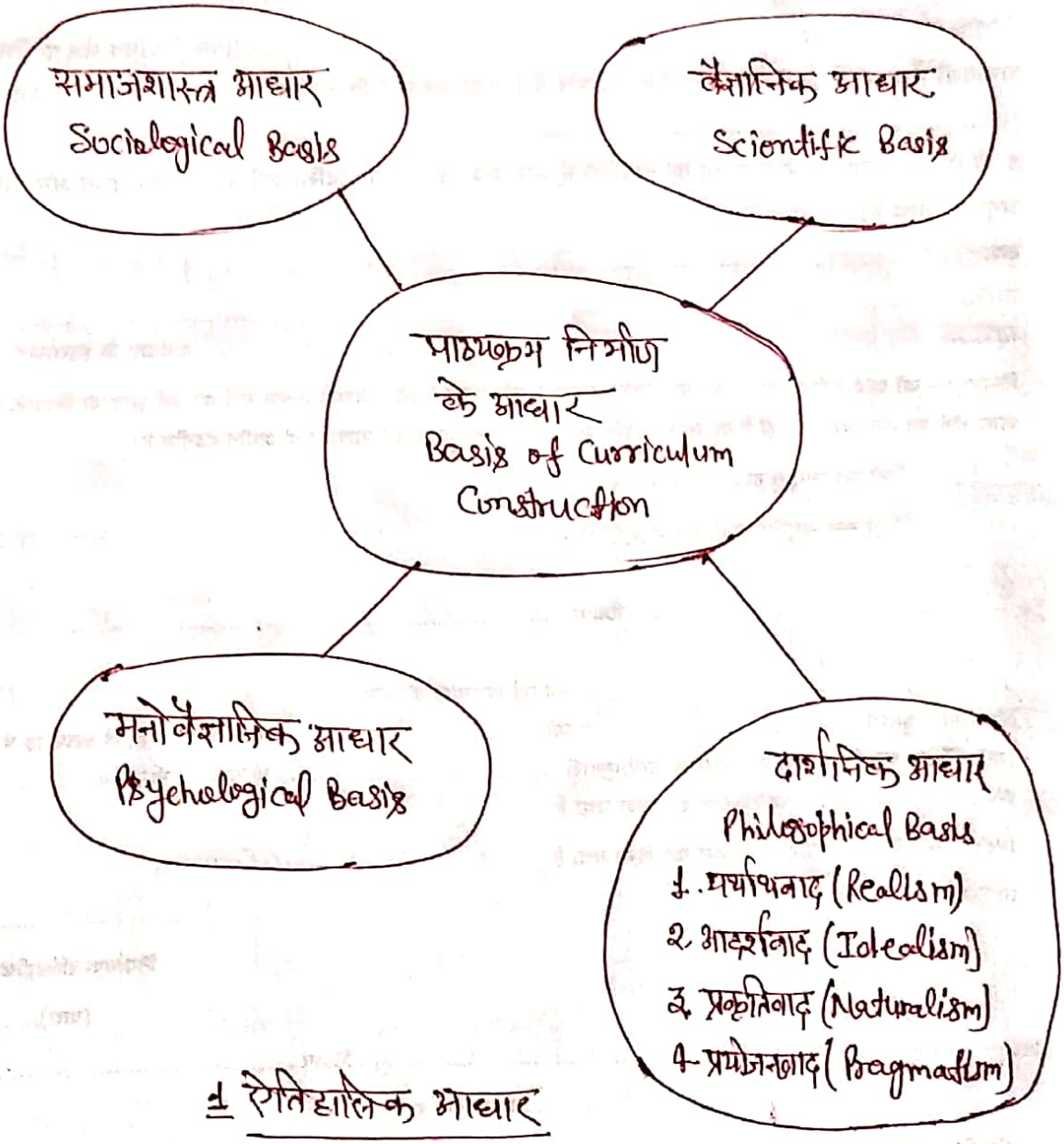

1 ऐतिहासिक आधार

इतिहास अतीतकालीन प्रवृत्तियों का एक व्यवस्थित अभिलेख है। जोन्स के अनुसार - "इतिहास जीवन के अनुभवों की खान है और आज का युवक उसका अध्ययन इसलिए करता है, जिससे कि वह जाति के अनुभवों से लाभ उठा सके।"

P.T.O.

Scanned with CamScanner

ऐतिहासिक अतीतकालीन बातों का अभिलेख होने के कारण पाठ्यक्रम निर्माताओं को ऐसी सामग्री उपलब्ध करता है, जिसकी सहायता से वह भविष्य के लिए अच्छे और स्पष्ट उदाहरण प्राप्त करता है। साथ ही वह भूत में की गई भूलों की आवृत्ति से बच जाता है। इसके अतिरिक्त यह समय, साधन, और शक्ति का भी अपव्यय नहीं होने देता है।

2 दार्शनिक आधार

क्योंकि पाठ्यक्रम निर्माण का लक्ष्य शिक्षा के उद्देश्यों की पूर्ति है और शिक्षा के उद्देश्य विभिन्न दार्शनिक परम्पराओं से प्रभावित होते रहते हैं, अतः पाठ्यक्रम निर्माण का प्रारूप भी दार्शनिक विचारधारा से प्रभावित होता रहता है।

3 मनोवैज्ञानिक आधार

इस आधार के अन्तर्गत शिक्षा का केन्द्र-बिन्दु छात्र होता है और शिक्षा एवं पाठ्यक्रम उसी के अनुरूप बनाये जाते हैं। स्वाभाविक रूप से उनका आधार बालक की योग्यताएँ और क्षमताएँ होती हैं, इस आधार पर ये पाठ्यवस्तु का चयन करते समय मनोवैज्ञानिक विधियों और सिद्धान्तों को तो दृष्टिगत रखा ही जाता है, साथ ही बालक की नैसर्गिक प्रवृत्तियों को भी प्रमुख स्थान दिया जाता है।

4 सामाजिक आधार

इस दृष्टिकोण का आधार बालक में सामाजिकता का विकास करना होता है। अतः इसके अन्तर्गत उन सभी वस्तुओं को सम्मिलित किया जाता है जो बालक में सामाजिक गुणों के विकास में सहायक हो सके, जिससे कि बालक एक अच्छा नागरिक बन सके।

5 वैज्ञानिक आधार

यह आधार पाठ्यक्रम में वैज्ञानिक विषयों को सम्मिलित करने का पक्षधर है, जिससे कि बालक सम्पूर्णता से जीवन व्यतीत कर सके और समाज के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित कर सके।

Mr. Ranveer Raj
Asst. Prof.
B.R.C.D. (SRE)

Scanned with CamScanner